



हिंदी सेक्सी स्टोरी : तीन भाभियों की किस्मत मेरे हाथ-4

“भैया के चौथे शादी के फैसले को बदलने हेतू सुमन भाभी बसन्ती के सहारे मुझसे चुदकर खुद गर्भवती हुई और दो भाभियों के कोख में भी औलाद का सुख प्रदान करवाया... ..”

Story By: shameer Shukla (shukla)

Posted: Wednesday, June 4th, 2008

Categories: [भाभी की चुदाई](#)

Online version: [हिंदी सेक्सी स्टोरी : तीन भाभियों की किस्मत मेरे हाथ-4](#)

हिंदी सेक्सी स्टोरी : तीन भाभियों की किस्मत मेरे हाथ-4

उस दिन के बाद भैया आने तक हर रोज़ सुमन मेरे से चुदवाती रही। नसीब का करना था कि वो गर्भ से हो गई परिवार में आनन्द ही आनन्द हो गया। सबने सुमन भाभी को बधाई दी। भैया सीना तान कर मूँछ मरोड़ते रहे। सविता भाभी और चम्पा भाभी की हालत और बिगड़ गई। इतना अच्छा था कि गर्भ के बहाने सुमन ने भैया से चुदवाने से मना कर दिया था, भैया के पास दूसरी दोनों को चोदने दे सिवा कोई चारा ना था।

जिस दिन भैया सुमन भाभी को डॉक्टर के पास ले गए उसी दिन शाम वो मेरे पास आई, घबराती हुई वो बोली- मंगल, मुझे डर है कि सविता और चम्पा को शक पड़ता है हमारे बारे में।

सुन कर मुझे पसीना आ गया। भैया जान जाएँ तो अवश्य हम दोनों को जान से मार डालें ! मैंने पूछा- क्या करेंगे अब ?

एक ही रास्ता है ! वो सोच कर बोली।

रास्ता है ?

तुझे उन दोनों को भी चोदना पड़ेगा। चोदेगा ?

भाभी, तुझे चोदने के बाद दूसरी को चोदने का दिल नहीं होता। लेकिन क्या करें ? तू जो कहे, वैसा मैं करूँगा। मैंने बाज़ी सुमन के हाथों छोड़ दी।

सुमन ने योजना बनाई। रात को जिस भाभी को भैया चोदें, वो दूसरे दिन मेरे पास चली आए। किसी को शक ना पड़े इसलिए तीनों एक साथ मेरे वाले घर आएँ लेकिन मैं चोदूँ एक

को ही ।

थोड़े दिन बाद चम्पा भाभी की बारी आई । माहवारी आए तेरह दिन हुए थे । सुमन और सविता दूसरे कमरे में बैठी और चम्पा मेरे कमरे में चली आई ।

आते ही उसने कपड़े उतारने शुरू किए ।

मैंने कहा- भाभी, यह मुझे करने दे ।

आलिंगन में लेकर मैंने भाभी को चूमा तो वो तड़प उठी । समय की परवाह किए बिना मैंने उसे खूब चूमा । उसका बदन ढीला पड़ गया । मैंने उसे पलंग पर लेटा दिया और होले होले सब कपड़े उतार दिए । मेरा मुँह उसके एक चुचूक पर टिक गया, एक हाथ स्तन दबाने लगा, दूसरा भग के साथ खेलने लगा ।

थोड़ी ही देर में वो गर्म हो गई, उसने खुद टांगें उठाई और चौड़ी करके अपने हाथों से पकड़ ली ।

मैं बीच में आ गया । एक दो बार भोंस की दरार में लण्ड का मटका रगड़ा तो चम्पा भाभी के नितंब डोलने लगे । इतना होने पर भी उसने शर्म से अपनी आँखें बन्द की हुई थी । ज्यादा देर किए बिना मैंने लण्ड पकड़ कर चूत पर टिकाया और होले से अंदर डाला । चम्पा की चूत सुमन की चूत जितनी सिकुड़ी हुई ना थी लेकिन काफ़ी कसी थी और लण्ड पर उसकी अच्छी पकड़ थी ।

मैंने धीरे-धीरे धक्के लगाते हुए चम्पा को आधे घंटे तक चोदा । इस दौरान वो दो बार झड़ी । मैंने धक्कों की रफ़्तार बढ़ाई तो चम्पा भाभी मुझसे लिपट गई और मेरे साथ साथ ज़ोर से झड़ी । थकी हुई वो पलंग पर लेटी रही, मैं कपड़े पहन कर खेतों में चला गया ।

दूसरे दिन सुमन अकेली आई, कहने लगी- कल की तेरी चुदाई से चम्पा बहुत खुश है !

उसने कहा है कि जब चाहे!

मैं समझ गया।

अपनी बारी के लिए सविता को पंद्रह दिन इन्तज़ार करनी पड़ी।

आखिर वो दिन आ भी गया। सविता को मैंने हमेशा माँ के रूप में देखा था इसलिए उसकी चुदाई का ख्याल मुझे अच्छा नहीं लगता था। लेकिन दूसरा चारा कहाँ था?

सुमन और चम्पा मिल कर सविता भाभी को मेरे कमरे में लाई और छोड़ कर चली गई। अकेले होते ही सविता ने आँखें मूँद ली। मैंने भाभी को नंगा किया और मैं भाभी की चूचियाँ चूसने लगा। मुझे बाद में पता चला कि सविता की चाबी उसके स्तन थे। इस तरफ़ मैंने स्तन चूसना शुरू किया तो उस तरफ़ उसकी भोंस ने कामरस का फ़व्वारा छोड़ दिया। मेरा लण्ड कुछ आधा तना था और ज़्यादा अकड़ने की गुंजाइश ना थी। लण्ड चूत में आसानी से घुस ना सका। हाथ से पकड़ कर धकेल कर मटका चूत में सरकाया कि सविता ने चूत सिकोड़ी। ठुमका लगा कर लण्ड ने जवाब दिया। इस तरह का प्रेमालाप लण्ड और चूत के बीच होता रहा और लण्ड ज़्यादा से ज़्यादा अकड़ता रहा।

आखिर जब वो पूरा तन गया तब मैंने सविता भाभी के पाँव अपने कंधों पर लिए और तल्लीनता से उसे चोदने लगा। सविता की चूत इतनी कसी नहीं थी लेकिन संकोचन करके लण्ड को दबाने की कला सविता अच्छी तरह जानती थी। बीस मिनट की चुदाई में वो दो बार झड़ी। मैंने भी पिचकारी छोड़ दी और भाभी के बदन से नीचे उतर गया।

अगले दिन सुमन वही संदेशा लाई जो चम्पा ने भेजा था। तीनों भाभियों ने मुझे चोदने का इशारा दे दिया था।

अब तीन भाभियाँ और चौथा मैं!

हम चारों में एक समझौता हुआ कि कोई यह राज़ खोलेंगा नहीं। सुमन ने भैया से चुदवाना बंद कर दिया था लेकिन मुझसे नहीं।

एक के बाद एक ऐसे मैं अपनी तीनों भाभियों को चोदता रहा। भगवान की कृपा से बाकी दोनों भाभियाँ भी गर्भवती हो गईं। भैया के आनन्द की सीमा ना रही।

समय आने पर सुमन और सविता ने लड़कों को जन्म दिया तो चम्पा ने लड़की को। भैया ने बड़ी दावत दी और सारे गाँव में मिठाई बाँटी। अच्छा था कि कोई मुझे याद करता नहीं था।

भाभियों की सेवा में बसंती भी आ गई थी और हमारी नियमित चुदाई चल रही थी। मैंने शादी ना करने का निश्चय कर लिया।

सब का संसार आनन्द से चलता है लेकिन मेरे वास्ते एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई है भैया सब बच्चों को बड़े प्यार से रखते हैं लेकिन कभी कभी वो जब उनसे मार पीट करते हैं तब मेरा खून उबल जाता है और मुझे सहन करना मुश्किल हो जाता है। दिल करता है कि उसके हाथ पकड़ लूं और बोलूं- रहने दो! खबरदार, मेरे बच्चे को हाथ लगाया तो।

ऐसा बोलने की हिम्मत अब तक मैं जुटा नहीं पाया।

कैसी लगी मेरी हिंदी सेक्सी स्टोरी मुझे मेल करके बताएँ!

shameer.shukla@rediffmail.com

Other stories you may be interested in

भाग्य से मिली परी सी भाभी की चुत

सभी मित्रों को मेरा प्यार भरा नमस्कार! मेरा नाम पवन कुमार है, मैं जयपुर राजस्थान का रहने वाला हूँ. मेरा रंग रूप सामान्य है. मेरी लम्बाई जरूर असमान्य है. मैं 5 फुट 11 इंच का हूँ. इस समय मेरी उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

मैंने अपने आप को उसे सौंप दिया

अन्तर्वासना की कामुकता भरी सेक्स स्टोरीज के चाहवान मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम कविता है, मैं जयपुर राजस्थान से हूँ. मैं, मेरे हस्बैंड और हमारा एक छोटा सा बेबी पिछले 3 सालों से यहां रह रहे हैं. मेरी शादी को [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी की भाभी खुद चुदने चली आई

दोस्तो कैसे हो, सभी की चुत को मेरे खड़े लंड का सलाम. मैं फिर से अपने दोस्तों के लिए अपनी नई सेक्सी कहानी लेकर हाजिर हुआ हूँ. मेरी पिछली सेक्सी कहानी पड़ोस की मस्त प्यासी भाभी की चुदाई को बहुत [...]

[Full Story >>>](#)

चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-10

दोस्तो, मैं आपका साथी जीशान, आपके सामने फिर से आ गया हूँ. चुदाई की कहानी के ये दो आखिरी भाग हैं, अभी 10वें भाग का मजा लीजिएगा. ये दो भाग आपको हमेशा के लिए याद रहेंगे. इस सेक्स कहानी का [...]

[Full Story >>>](#)

दो प्यासे मर्दों ने चूत गांड चोद दी-1

यहाँ क्लिक अन्तर्वासना ऐप डाउनलोड करके ऐप में दिए लिंक पर क्लिक करके ब्राउज़र में साईट खोलें. ऐप इंस्टाल कैसे करें मेरी पिछली सेक्स कहानी मेरी वासना और बाँस की तड़प में आप सभी ने मेरे बाँस के साथ मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

